VALLABH GOVT. COLLEGE, MANDI

College Activity Library (2025-26)

Sr. No.	Particulars	Remarks
1.	**Date**	**12 August, 2025**
2.	Name of the activity	Celebration of National Librarian's Day
3.	Name of Unit/Agency/Department organizing the activity	Library Staff and Library Committee of the College
4.	Name of collaborating agency(if any)	Not any
5.	No of Students Participants	200
6.	No of Teachers Participants	20
7.	Brief report with two printed photographs (1) Geo tagged Photo of activity (2) Newspaper cutting of the particular activity 	National Librarian's day was celebrated at Vallabh Govt. College, Mandi on 12th August, 2025 to pay tribute to Dr. S.R. Ranganathan, Father of library science. On this occasion an exhibition of books was organized for the benefit of students and teachers of this college. In this exhibition a huge and rich collection of books of the college library were displayed. Principal Dr. Sanjeev Kumar emphasized the importance and contribution of Dr. S. R. Ranganathan in the field of Library Science. Then he highlighted the important role of libraries in promoting education and presented an outline to make the library facilities better for the students of this college. On this occasion Senior most faculty member Dr. Ravinder Kumar, Library committee Convener Dr. Raj Kumar Jamwal, Flying officer, NCC Air Wing Dr. Chaman Lal presented their views on the importance of library for for the students as well as the teachers. Prof. Archana ,Library Committee member conducted the stage on this occasion.Assistant Librarian Mr. Chander Chauhan gave his presentation on the importance of library using PPT. Assistant Librarian Mrs. Bhagwati Devi & Hemnalini helped in making the function successful. Tomash Kumar MA Hindi Sem.1,Harsa Thakur MA Hindi Sem.1,Nancy Rana BA 3rd Year presented their views on this occasion. In the end Assistant Librarian Mrs. Ruma Devi presented vote of thanks. The function ended with the National Anthem.

डॉ. एसआर रंगानार्थन को किया याद

भगत सिंह गुलेरिया, अनंत ज्ञान, मंडी। राजकीय महाविद्यालय मंडी, रिवालसर व पनारसा में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान पुस्तक प्रदर्शनियां लगाई गईं। इनमें पुस्तकालय की विभिन्न संकायों से संबंधित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया और विद्यार्थियों को पुस्तक पढ़ने के प्रति जागरूक किया गया। औपचारिक कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं 'भारतीय पुस्तकालय के जनक' डॉ. एसआर रंगनाथन को विनम्र पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए। मंडी में कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रोफेसर संजीव कुमार ने की। इस मौके पर कई स्टाफ सदस्यों सहित लाइब्रेरियन रुमा देवी, चंद्र चौहान, भगवती भारद्वाज व हेमनलिनी उपस्थित रहे। उधर रिवालसर में लाइब्रेरियन खेम चंद के अनुसार पाठकों को डा. रंगानार्थन के जीवन व पुस्तकों के महत्व बताया गया। पनारसा में प्राचार्य डॉ. उरसेम लता ने अपने प्रेरणादायी विचारों से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। पुस्तकालयाध्यक्ष बिंदु सूर्यवंशी ने डॉ एसआर रंगनाथन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'पुस्तकालय जीवन का अभिन्न हिस्सा है और ज्ञान अर्जन का सर्वोत्तम माध्यम है।

पुस्तकालय विचार, संस्कृति और विज्ञान

वल्लभ कालेज में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोले कालेज प्राचार्य

मंडी, 12 अगस्त (नि.स.): वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी में मंगलवार को राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के मौके पर कालेज परिसर में पुस्तक प्रदर्शनी, भाषण, रंगोली व सैमीनार सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज प्राचार्य डा. संजीव कुमार ने की।

उन्होंने कहा कि पुस्तकालय मानव सभ्यता की स्मृति स्थली होते हैं। यह केवल किताबों का भंडार नहीं, बल्कि विचार, संस्कृति और विज्ञान का खजाना है। राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस हमें पढ़ने की आदत, शोध और आत्म विकास के महत्व की याद दिलाता है।

हिंदी विभागाध्यक्ष डा. राजकुमार जम्वाल ने कहा कि इतिहास सभ्यता व संस्कृति की जननी में पुस्तकालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रोफेसर डा. रविंद्र कुमार, डा. राजकुमार जम्वाल, डा. अंजू शर्मा, प्रोफेसर बलदेव वर्मा, असिस्टेंट लाइब्रेरियन रूमा देवी, चंद्र चौहान, हीम नलिनी गोस्वामी, भागवती भारद्वाज, सहायक प्रोफेसर अनुपमा शर्मा, सहायक प्रोफेसर डा. राजकुमारी, डा. वृंदा शांडिल, डा. बलबीर सिंह, डा. कविता, डा. अनीता, डा. हेमा ठाकुर, सहित कार्यालय अधीक्षक खुशाल ठाकुर, डा. भीमराव अम्बेदकर लाइब्रेरी के स्टाफ मोहिनी सहित शिक्षक वर्ग, गैर शिक्षक वर्ग, एन.सी.सी. कैडेट्स व महाविद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पुस्तकालय ज्ञान का भंडार

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस पर आयोजित संगोष्ठी के दूसरे सत्र में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष [illegible] ऑफिसर डा. चमन ने कहा कि भारत रत्न डा. भीमराव अम्बेदकर ने आधुनिक भारत को एक ऐसी संवैधानिक और सामाजिक नींव दी, जिस पर समानता, न्याय और स्वतंत्रता की इमारत खड़ी है। दूसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए वाणिज्य विभागाध्यक्ष डा. रविंद्र कुमार ने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान का भंडार है।

मंडी : विद्यार्थियों को सदस्यता ग्रहण करवाते ए.बी.वी.पी. कार्यकर्ता। (मेंदु)

लगाई प्रदर्शनी

डा. भीमराव अम्बेदकर पुस्तकालय में लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डा. संजीव कुमार ने रिबन काटकर किया।

इस अवसर पर असिस्टेंट लाइब्रेरियन चंद्र चौहान ने डा. एस.आर. रंगनाथन के लाइब्रेरी विज्ञान में महत्वपूर्ण भूमिका पर डाक्यूमेंट्री प्रस्तुत की। इसके बाद लेखराज, हर्षा ठाकुर, कविता ठाकुर, कनिका व लोमिश कुमार ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। लाइब्रेरी स्टाफ द्वारा विद्यार्थियों के लिए खीर का भंडारा लगाया गया। डा. एस.आर. रंगनाथन के चित्र पर महाविद्यालय प्राचार्य व स्टाफ द्वारा माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किए गए।

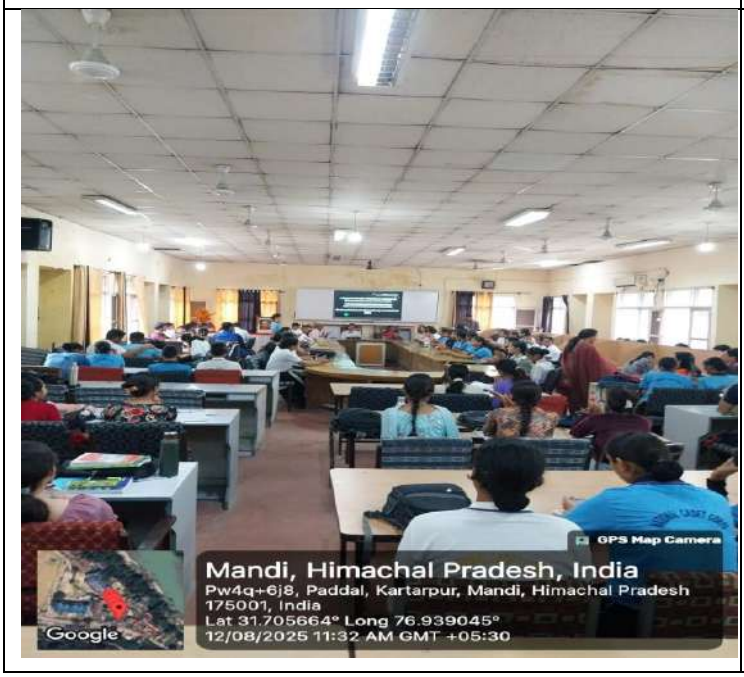

Assistant Librarian

VGC Mandi

Principal

VGC Mandi